साइबर सुरक्षा शिक्षा को नई उड़ान, होलकर साइंस कॉलेज में हाईटेक लैब्स

होलकर साइंस कॉलेज के साइबर सुरक्षा विभाग से तैयार हो रही विशेषज्ञों की नई पीढ़ी

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों और डिजिटल खतरों के दौर में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है. ऐसे समय में शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर का साइबर सुरक्षा विभाग प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का एक मजबूत केंद्र बनकर उभरा है.

वर्ष 2023 में बीएससी साइबर सिक्योरिटी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम शुरू करने वाला यह मध्य प्रदेश का पहला सरकारी महाविद्यालय बना और पिछले तीन वर्षों से संचालित अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा प्रयोगशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को इंडस्ट्री-लेवल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है. अब इस विभाग से 33 प्रशिक्षित विद्यार्थियों की पहली बैच तैयार हो चुकी है, जो साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है.

तीन वर्षों से संचालित आधुनिक साइबर लैब्स: महाविद्यालय में स्थापित साइबर सिक्योरिटी एसेंशियल लैब, डिजिटल फॉरेंसिक्स लैब तथा एडवांस्ड साइबर सिक्योरिटी एवं पेनेट्रेशन टेस्टिंग लैब पिछले तीन वर्षों से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दे रही हैं. इन प्रयोगशालाओं में छात्र केवल सैद्धांतिक अध्ययन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वास्तविक साइबर सुरक्षा वातावरण में कार्य करने का अनुभव भी प्राप्त करते हैं. साइबर सिक्योरिटी एसेंशियल लैब में नेटवर्क सिक्योरिटी, डिजिटल फॉरेंसिक्स, आईओटी सुरक्षा, इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी और फिजिकल सिक्योरिटी से जुड़ी आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाता है. यहां सर्विलांस सिस्टम, एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, इंडस्ट्रियल कंट्रोल सिस्टम और एंटरप्राइज नेटवर्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं. डिजिटल फॉरेंसिक्स लैब में अत्याधुनिक फॉरेंसिक वर्कस्टेशन, राइट ब्लॉकर, एविडेंस कलेक्शन किट और डिजिटल विश्लेषण उपकरणों की सहायता से विद्यार्थियों को साइबर अपराधों की जांच, डिजिटल साक्ष्यों के संग्रह, संरक्षण और विश्लेषण का प्रशिक्षण दिया जाता है. वहीं एडवांस्ड साइबर सिक्योरिटी एवं पेनेट्रेशन टेस्टिंग लैब में नियंत्रित वातावरण में एथिकल हैकिंग, वल्नरेबिलिटी असेसमेंट और पेनेट्रेशन टेस्टिंग जैसी तकनीकों का अभ्यास कराया जाता है, जिनकी उद्योग जगत में लगातार मांग बढ़ रही है.

पहली बैच तैयार, उद्योग और समाज को मिलेगा लाभ: महाविद्यालय के साइबर सुरक्षा विभाग से प्रशिक्षित विद्यार्थियों की पहली बैच अब तैयार हो चुकी है. इन विद्यार्थियों ने आधुनिक साइबर सुरक्षा तकनीकों, डिजिटल फॉरेंसिक्स, नेटवर्क डिफेंस और एथिकल हैकिंग जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक दक्षता हासिल की है. उम्मीद है कि यह बैच सरकारी और निजी संस्थानों के साथ-साथ साइबर अपराध नियंत्रण, डिजिटल फॉरेंसिक्स और सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा प्रदेश में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने में योगदान देगी.

बदल रहे हैं साइबर अपराध के तरीके: विशेषज्ञों के अनुसार साइबर अपराधी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ठगी, फिशिंग ईमेल, नकली एसएमएस, व्हाट्सएप संदेश, फर्जी क्यूआर कोड, डीपफेक वीडियो एवं आवाज, बिजनेस ईमेल कॉम्प्रोमाइज (बीईसी), फर्जी नौकरी के ऑफर, नकली केव्हायसी अपडेट और निवेश योजनाओं के माध्यम से लोगों को निशाना बना रहे हैं. स्टेगनोग्राफी आधारित साइबर हमले भी चिंता का विषय हैं, जिनमें सामान्य दिखने वाली तस्वीरों या मीडिया फाइलों के भीतर दुर्भावनापूर्ण कोड छिपाकर उपकरणों को संक्रमित किया जाता है.

प्रदेश के लिए एक नई दिशा: होलकर विज्ञान महाविद्यालय का साइबर सुरक्षा विभाग आज प्रदेश में तकनीकी शिक्षा और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण का सफल मॉडल बन चुका है. पिछले तीन वर्षों से संचालित अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप अब विशेषज्ञ विद्यार्थियों की पहली बैच तैयार होकर देश की साइबर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। यह पहल न केवल उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि मध्य प्रदेश में साइबर सुरक्षा की मजबूत नींव भी स्थापित कर रही है.

साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने पर भी कार्य

विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमिला कोरी ने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे दक्ष साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ तैयार करना है जो साइबर अपराध नियंत्रण, डिजिटल फॉरेंसिक्स, सूचना सुरक्षा और एथिकल हैकिंग जैसे क्षेत्रों में उद्योग एवं समाज की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें. उन्होंने कहा कि विभाग तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ समाज में साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए भी निरंतर कार्य कर रहा है.

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं नई पहचान देंगी

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. अनामिका जैन ने कहा कि होलकर साइंस कॉलेज विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है. अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को रोजगार, शोध और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक दक्षता प्रदान करेंगी तथा मध्य प्रदेश में साइबर सुरक्षा शिक्षा को नई पहचान देंगी.

नोटिस के बाद कई बिल्डर पहुंचे निगम कॉलोनी सेल विभाग

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा कॉलोनी सेल में आश्रय निधि जमा करने के नोटिस दिए गए थे. नोटिस मिलने के बाद कई बिल्डर कॉलोनी सेल विभाग में आश्रय निधि जमा करने पहुंचे. नगर निगम को इस वित्तीय वर्ष में डेढ़ सौ करोड़ रुपए राजस्व मिलने की उम्मीद है.

पिछले दिनों नगर निगम भवन अनुज्ञा शाखा ने शहर में निर्माणाधीन तीन सौ से ज्यादा बहुमंजिला इमारतों को कॉलोनी सेल में आश्रय निधि जमा करा कर एनओसी एवं अनुमति लेने के नोटिस जारी किए थे. इसमें से निगम भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा लगभग 270 इमारतों को कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी होना बाकी है. उक्त सभी इमारतों के प्रमाण पत्र आश्रय निधि जमा करने तक रोक लगा दी गई है. राज्य शासन ने जनवरी 2022 के बाद शहर में निर्मित या निर्माणाधीन बहु मंजिला इमारतों को नगर निगम कॉलोनी सेल में वर्तमान गाइड लाइन का 6 प्रतिशत से आश्रय निधि जमा करना अनिवार्य कर दिया है. कॉलोनी सेल विभाग सूत्रों के अनुसार निगम द्वारा जारी आश्रय निधि के नोटिस के बाद बड़ी संख्या में बिल्डर आवेदन लेकर निगम पहुंचे है.

तीन सौ करोड़ से ज्यादा राजस्व मिलने का अनुमान: बताया जा रहा है कि बिल्डरों ने आश्रय निधि जमा करने की सहमति भी दे दी है. बिल्डरों द्वारा बड़ी संख्या में आवेदन देने के पीछे निगम भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा जारी होने वाला भवन पूर्णता प्रमाण पत्र हैं, जिसके बिना बिल्डर फ्लैट या दुकानें नहीं बेच सकते है. एक अनुमान के अनुसार नगर निगम कॉलोनी सेल विभाग को आश्रय निधि से इस साल डेढ़ सौ करोड़ रुपए की राजस्व आय होने की उम्मीद है. सभी बहु मंजिला इमारतों से 3 सौ करोड़ से ज्यादा राजस्व मिलने का उम्मीद है.

राज्य शासन द्वारा जारी नया नियम

राज्य शासन ने नगर पालिका अधिनियम 1956 के तहत कॉलोनी विकास नियम 2021 के प्रचलित नियमों के तहत भूमि/भूखंडों पर विकास अनुमति / एनओसी के लिए कॉलोनी सेल विभाग को आश्रय निधि वसूलने का अधिकार दिया है. भवन अनुज्ञा शाखा ने निगम सीमा में जनवरी 2022 के बाद स्वीकृत नक्शों के आधार पर सभी बहुमंजिला इमारतों को नोटिस जारी कर कॉलोनी सेल की आश्रय निधि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं. मामला राजस्व आय से जुड़ा होने के कारण निगम ने हाईकोर्ट में केविएट भी लगा दी है.

एक नजर में

विचार प्रवाह साहित्य मंच की बाल साहित्य पर पाठशाला

इंदौर. विचार प्रवाह साहित्य मंच ने अपने चलो कुछ अच्छा लिखें और सीखें अभियान के तहत बाल साहित्य पर पाठशाला का आयोजन किया. ऑनलाइन हुए इस आयोजन में रचनाकारों ने बाल पाठकों के लिए क्या और कैसे अच्छा लिखा जाना चाहिए यह सीखा. अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार, बाल मासिक पत्रिका देवपुत्र के संपादक गोपाल माहेश्वरी ने रचनाकारों के सवालों के जवाब में बाल साहित्य के विषय, प्रकार, लेखन, शैली, भाषा, मनोविज्ञान और बाल साहित्य पर हो रहे शोध कार्य की स्थिति पर प्रभावी प्रकाश डाला. श्री माहेश्वरी ने कहा कि बाल मन को पढ़कर और समझकर ही अच्छा बाल साहित्य लिखा जा सकता है. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वरिष्ठ लेखिका रिंकल शर्मा (दिल्ली) थीं. मंच के अध्यक्ष मुकेश तिवारी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए चलो कुछ अच्छा लिखें और सीखें अभियान की जानकारी दी. संचालन मंच की सहसचिव और आयोजन संयोजक माधुरी व्यास नवपमा ने किया. आभार संस्थापक अध्यक्ष सुषमा दुबे ने माना. आयोजन में वरिष्ठ लेखिका अमिता मराठे, अर्चना पंडित, शोभारानी तिवारी, कुमुद दुबे , सुषमा सिन्हा, देवेंद्र सिंह सिसौदिया, सुषमा व्यास राजनिधि, अर्चना मंडलोई, मित्रा शर्मा, डॉ. सीमा पंड्या, निरुपमा त्रिवेदी, श्वेता गर्ग, डॉ. प्रणव श्रोत्रिय , निशा बुधे झा (जयपुर), डॉ. पूनम विशाल, अमोघ अग्रवाल आदि ने भाग लिया.

बालिकाओं को अभ्यास पुस्तिकाएं भेंट

इंदौर. गोल्ड कॉइन सेवा ट्रस्ट की ओर से संयोगितागंज स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में करीब 300 छात्राओं को निशुल्क अभ्यास पुस्तिकाओं का वितरण मनीष बेडिया के आतिथ्य एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल और संदीप नागर की विशेष उपस्थिति में किया गया. अपने सामाजिक सरोकार की परम्परा को निभाते हुए ट्रस्ट की ओर से अभ्यास पुस्तिकाओं के वितरण का यह आयोजन किया गया. अभ्यास पुस्तिकाएँ मिलने के बाद छात्राओं के चेहरों की खुशियाँ देखने लायक थी.

मुद्रा शास्त्री आदित्य को विद्यावाचस्पति सम्मान

इंदौर. राष्ट्रीय मुद्रा परिषद के संयोजक और शहर के वरिष्ठ मुद्रा शास्त्री गिरीश शर्मा आदित्य को रविवार शाम को वृन्दावन धाम (मथुरा) स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ की ओर से कुलपति डॉ. इंदु भूषण मिश्र देवेंदु ने मुद्रा संस्कृति संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर किए गए शोध कार्यों एवं सामाजिक कार्यों के लिए विद्यापीठ की प्रबंधकारिणी की अनुसंशा पर विद्यावाचस्पति सारस्वत सम्मान प्रदान किया. यह आयोजन दिल्ली स्थित होटल रेडिसन में आयोजित किया गया जिसमें आए अतिथियों ने गिरीश शर्मा आदित्य को प्रशस्ति पत्र एवं समृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया.

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की पहली तिमाही के नतीजे

इंदौर. आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के अपने गैर-ऑडिटेड वित्तीय नतीजों का ऐलान किया. बैंक ने वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 1,075 करोड़ रुपए का अब तक का सबसे अधिक कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया. यह वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 463 करोड़ रुपए के मुकाबले 132.4% अधिक है. नतीजों पर टिप्पणी करते हुए, एमडी और सीईओ वी. वैद्यनाथन ने कहा हमारा मुख्य फोकस बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस के साथ एक मजबूत और उच्च गुणवत्ता वाला बैंक बनाना है. हमारे कारोबार की रफ्तार लगातार मजबूत बनी हुई है. हमें यह बताते हुए खुशी है कि हमारी एसेट क्वालिटी में लगातार सुधार हो रहा है. हमारा ग्रॉस एनपीए 1.51% और नेट एनपीए 0.44% पर आ गया है. लोन के मुकाबले हमारे प्रावधान लगातार कम हो रहे हैं. इस तिमाही में हमें सीजीएफएमयू के तहत 515 करोड़ रुपये का क्लेम मिला. साथ ही, मानसून या ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसी संभावित परिस्थितियों को देखते हुए हमने एहतियात के तौर पर 515 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान भी किया है.

अहमदाबाद मंडल में भारी बारिश से रेल संचालन प्रभावित, रतलाम मंडल की कई ट्रेनें आंशिक रूप से निरस्त

नवभारत न्यूज़

इंदौर. अहमदाबाद मंडल के अहमदाबादक्ष्वीरमगांव रेलखंड पर लगातार हो रही भारी बारिश के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. इसके चलते रेल यातायात प्रभावित हुआ है और रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनों के संचालन में अस्थायी परिवर्तन किया गया है.

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है. इसमें ट्रेन संख्या 20936 इंदौर-गांधीधाम एक्सप्रेस 26 जुलाई 2026 को इंदौर से रवाना होने वाली ट्रेन संख्या 20936 इंदौर-गांधीधाम एक्सप्रेस को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा. यह ट्रेन अहमदाबाद से गांधीधाम के बीच निरस्त रहेगी. ट्रेन संख्या 20935 गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस 27 जुलाई 2026 को गांधीधाम से चलने वाली ट्रेन संख्या 20935 गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी. यह ट्रेन गांधीधाम से अहमदाबाद के बीच निरस्त रहेगी. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति अवश्य जांचने की अपील की है. यात्री ट्रेनों के समय, ठहराव तथा अन्य नवीनतम जानकारी भारतीय रेलवे की आधिकारिक पूछताछ वेबसाइट तथा रेलवन ऐप के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं.

नगर निगम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 10 हजार पौधे लगाए

वन विभाग की सौ एकड़ जमीन पर होगा पौधारोपण

नव भारत न्यूज

इंदौर. रविवार को नगर निगम और वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एयरपोर्ट के सामने बिजासन रमना स्थित वन विभाग की भूमि पर पौधारोपण किया गया. इस दौरान करीब 10 हजार पौधों का रोपण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिकों ने पौधे लगाए. साथ ही पौधारोपण करने के साथ पौधों का संरक्षण करने का संकल्प भी लिया.

नगर निगम जन कार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि शहर में इस साल 21 लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. उक्त लक्ष्य की पूर्ति के लिए विश्व पर्यावरण दिवस से शहरभर में व्यापक पौधारोपण अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न विभागों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं नागरिकों की सहभागिता से लगातार पौधारोपण किया जा रहा है.

इसी क्रम में आज नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मधु वर्मा की मौजूदगी में 10 हजार पौधे लगाए गए. उक्त पौधारोपण एयरपोर्ट के सामने बिजासन रमना स्थित वन विभाग की भूमि पर किया गया. पौधारोपण कार्यक्रम में निगम एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर,अश्विनी शुक्ल,निरंजन सिंह चौहान, मनीष शर्मा, नंदकिशोर पहाड़िया सहित जनप्रतिनिधि , वन विभाग नगर निगम के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने पौधे लगाए। साथ ही पौधे के संरक्षण का संकल्प लिया.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर कांग्रेस की विजय रैली

नव भारत न्यूज

इंदौर. केंद्रीय शिक्षा मंत्री का कल इस्तीफा होने के बाद रविवार को कांग्रेस ने विजय रैली निकाली. रैली मधुमिलन चौराहे से अंबेडकर प्रतिमा गीता भवन चौराहा तक निकाली गई. नीट पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही थी. रैली में युवाओं और छात्रों द्वारा पूरे रास्ते नारेबाजी की गई.

नीट पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में धांधली की लेकर जंतर मंतर पर छात्रों छात्राओं ने 25 दिन तक आंदोलन किया. काकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में देश के कई शहरों में छात्रों द्वारा आंदोलन किया जा रहा था. इसके बाद देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ती गई. केंद्र सरकार का अड़ियल रवैये के कारण आंदोलन में दिन प्रतिदिन आक्रोश बढ़ता जा रहा था, जिसे सरकार समझ नहीं पाई. परिणाम स्वरूप लाठीचार्ज और पुलिस की बर्बरता से पूरे देश में भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद हो गई. अंततः केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा. इस्तीफे की खबर मिलते ही देश भर में छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई. आंदोलन में शामिल कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने प्रधान के इस्तीफे को छात्रों ओर युवाओं की जीत बताया।इसी की लेकर आज कांग्रेस ने छात्रों के समर्थन में विजयी रैली निकाली. जुलूस में बड़ी संख्या में युवा विद्यार्थी भी शामिल हुए।

21 विद्यार्थियों को दी श्रद्धांजलि

जुलूस के समापन पर नीट की परीक्षा के बाद आत्महत्या करने वाले 21 विद्यार्थियों को श्रद्धांजलि दी गई. मधुमिलन चौराहे से शुरू होकर गीता भवन चौराहा पर अंबेडकर प्रतिमा पर रैली का समापन हुआ. रैली में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, राजेश चौकसे, अर्चना जयसवाल, पिंटू जोशी, नेता प्रतिपक्ष सोनीला मिमरोट, पार्षद राजू भदोरिया, अमित पटेल, रफीक ख़ान, अनवर दस्तक, सुदामा चौधरी, आकाश कुशवाहा, विनय बाकलीवाल, राजा चौकसे, अमन बजाज, शैलेश गर्ग, अरविंद बागड़ी संजय बाकलीवाल, अमित चौरसिया, लोकेश हार्डिया, रीता डांगरे, शशि हाड़ा, किरन जिरेती सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं के साथ युवाओं शामिल थे.

आईआईएम इंदौर आयोजित करेगा कैट 2026

इंदौर. भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) इंदौर को देश की प्रतिष्ठित प्रबंधन प्रवेश परीक्षा कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) 2026 के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

इस परीक्षा के माध्यम से भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) सहित देश के अनेक प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के स्नातकोत्तर एवं डॉक्टोरल प्रबंधन कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है. आईआईएम इंदौर के प्रोफेसर आदित्य बिल्लोरे को कैट 2026 का संयोजक नियुक्त किया गया है.

आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा कि संस्थान के लिए कैट 2026 का आयोजन करना सम्मान और गर्व की बात है. उन्होंने कहा कि परीक्षा के प्रत्येक चरण में निष्पक्षता, पारदर्शिता, सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि कैट लगातार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन शिक्षा तक पहुंच प्रदान करता रहा है और उन्हें समाज व राष्ट्र के लिए उत्तरदायी नेतृत्वकर्ता बनने का अवसर देता है. उन्होंने अभ्यर्थियों से आत्मविश्वास, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ परीक्षा में शामिल होने का आह्वान करते हुए इसे उनके नेतृत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआत बताया. आईआईएम इंदौर के अनुसार, कैट 2026 का आयोजन 29 नवंबर को देशभर में तीन सत्रों में किया जाएगा. परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 3 अगस्त को सुबह 10 बजे से शुरू होगा, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितंबर शाम 5 बजे निर्धारित की गई है. संस्थान ने बताया कि महत्वपूर्ण जानकारियां समय-समय पर कैट की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएंगी.

श्रीनाथ मंदिर में तीन दिवसीय महोत्सव 27 से

इन्दौर. साउथ तुकोगंज स्थित श्रीनाथ मंदिर संस्थान (नाथ संप्रदाय योगी श्री माधवनाथ महाराज समाधि स्थान) में इस वर्ष गुरुपूर्णिमा उत्सव श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया जाएगा. मंदिर समिति द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 27, 28 और 29 जुलाई को में आयोजित किया जाएगा.

महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में भव्य तैयारियां की जा रही हैं. मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरे परिसर में वॉटरप्रूफ शामियाना और डोम तैयार किया जा रहा है. साथ ही, मंदिर भवन एवं शिखर को आकर्षक विद्युत रोशनी (लाइटिंग) से सजाया जा रहा है.

मंदिर के कार्यकर्ता राजेंद्र खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय आयोजन के दौरान मंदिर में विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे.

27 व 28 जुलाईको प्रतिदिन प्रात:काल से ही विशेष महापूजा, अभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा. शाम को भजन मंडलियों द्वारा भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी. 29 जुलाई को गुरुपूर्णिमा के मुख्य अवसर पर विशेष महापूजा और महाआरती के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा.

एक नजर में | **विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन**

शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू हुए शहरवासी

इंदौर. शहर की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से नागरिकों को जोड़ने के उद्देश्य से रविवार को उड़ते कबूतर संस्था द्वारा एक विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया. ऐतिहासिक राजवाड़ा से शुरू हुई इस वॉक में शहर के लगभग 25 उत्साही प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें चिकित्सक, इंजीनियर, विद्यार्थी और गृहिणियाँ शामिल थीं.

हेरिटेज वॉक के दौरान प्रतिभागियों को 19वीं शताब्दी के इंदौर, होलकर राजवंश के इतिहास, राजा-रानियों के शासनकाल और उस दौर की सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों से अवगत कराया गया. वॉक में शामिल लोगों ने शहर के कई ऐतिहासिक और स्थापत्य कला के बेजोड़ नमूनों का अवलोकन किया. कृष्णपुरा छतरी एवं बोलेया सरकार की छतरी पर स्थापत्य कला और ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा की गई. गोपाल मंदिर, राजवाड़ा, शिव विलास पैलेस की जानकारी दी गई इस वॉक का नेतृत्व उड़ते कबूतर के संस्थापक शशांक गर्ग एवं ऋतिक साहू ने किया. उन्होंने हर एक स्थल की वास्तुकला, इतिहास और उनसे जुड़े रोचक प्रसंगों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया. वॉक का मुख्य उद्देश्य इंदौरवासियों को अपने शहर की समृद्ध विरासत और परंपराओं से जोड़ना है, ताकि नई पीढ़ी में इन ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ सके. प्रतिभागियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से अपने ही शहर को एक नए और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से देखने का अवसर मिलता है.